UPTU SEMESTER EXAM

Students find xeroxed question papers incomprehensible

HT Correspondent
lkoreportersdesk@hindustantimes.com

LUCKNOW: The Uttar Pradesh Technical University semester examination has turned out to be a 'bad joke' for the students, who are up in arms over the quality of the papers.

The university emails question papers to the affiliated engineering colleges, which take a printout, get them photocopied minutes before the start of exam and then distribute them among examinees.

This shocking fact came to light after several examinees complained that quality of papers distributed at their centres was terrible. "The question paper was quite black due to the carbon of the photocopy machine. It was just not readable," complained one student of an engineering college.

He added, "The printout of the mathematics paper was horrible. One could not even make out the decimal points in the numericals. These colleges charge such hefty fees, yet they give out a photocopy of the question paper instead of getting them printed. This is shocking."

UPTU vice-chancellor professor Omkar Singh, who took charge only a few weeks back after professor RK Khandal stepped down from the post, expressed serious concerns over the lapses existing in the examination system. He told media persons that the matter was grave and would be investigated.

"I admit that a photocopy of the question paper should not be distributed. Neither should the university email question papers to colleges and ask them to generate printouts and give them to students. These things should stop. I was aware of this practice but as I took charge only a few days before the exams started, there was no way that I could stop it," the vice chancellor said.

Singh added that efforts would be made to restore the sanctity of the examinations.

"We will ensure that such practices come to an end, else the image of the university will get tarnished," prof Singh told Hindustan Times.

But those who are involved with the examination process said this way of distributing papers was more foolproof, as it minimises the possibility of the question paper being leaked.

NO FEAR OF LEAK

- The university emails question papers to the affiliated engineering colleges, which take a printout, get them photocopied minutes before the start of exam and then distribute them among examinees.
- Those who are involved with the examination process said this way of distributing papers was more foolproof, as it minimises the possibility of the question paper being leaked.

यूपी एसईई-2015 का रिजल्ट आउट

फरीदाबाद के समर्थ ने किया टॉप

विसं संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टेक्निकल यूनिवर्सिटी (यूपीटीयू) की प्रवेश परीक्षा एसईई-2015 के नतीजे बुधवार को घोषित कर दिए गए। इसमें बीटेक में फरीदाबाद के समर्थ कपूर ने टॉप किया है, जबकि दूसरे स्थान पर कानपुर के पुलकित कपूर और तीसरे स्थान पर गोरखपुर के विश्वजीत शुक्ला रहे। बीटेक बायोटेक में आगरा की शिवानी गर्ग पहले, लखनऊ के सागर त्रिपाठी दूसरे और यहीं के राम पांडेय तीसरे स्थान पर रहे। प्रवेश परीक्षा में पांच ट्रांसजेडर भी पास किए गए हैं।

यूपी एसईई-2015 के नतीजे यूपीटीयू के वीसी प्रो. ओंकार सिंह यादव ने ये नतीजे घोषित किए हैं। उन्होंने बताया कि 18 अप्रैल को पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए और 19 अप्रैल को स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा कराई गई थी।

● शेष खबर पेज 15 पर

एमसीए में लखनऊ के अंकित शर्मा बने टॉपर

एमसीए में पहले स्थान पर लखनऊ के अंकित शर्मा, कानपुर की रौशनी अग्रवाल दूसरे और तीसरे स्थान पर मुरादाबाद के निशांत सिंह रहे। एमबीए में लखीमपुर खीरी के सुनील कुमार वर्मा पहले स्थान पर, दूसरे नंबर पर मेरठ के निशित यादव और तीसरे स्थान पर आगरा के रोहित सिंह रहे।

ये रहे टॉपर

बीफार्मा में आगरा की शिवानी गर्ग पहले, आगरा के ही सजल गुप्ता दूसरे और तीसरे नंबर पर मुज्जफरनगर की दिव्या श्रीवास्तव रहीं। बीआर्क में गौतमबुद्ध नगर के आयुष कुमार पहले स्थान पर, कानपुर के आयुष चौरसिया दूसरे और इलाहाबाद की शिप्रा तीसरे स्थान पर रहीं। बीएफए में पहले नंबर पर कानपुर की कृतिका श्रीवास्तव, इलाहाबाद के तारिक अहमद दूसरे स्थान पर रहे, जबकि मेरठ की भाव्या खत्री को तीसरा स्थान हासिल हुआ। वहीं, बीएचएमसीटी में पहले स्थान पर कृतिका श्रीवास्तव, दूसरे पर दिल्ली के अभिजीत उपाध्याय और तीसरे नंबर पर ऋषभ प्रसाद रहे।

15 जून से शुरू होगी काउंसिलिंग

प्रवेश परिणाम जारी करने के बाद काउंसिलिंग के बारे में वीसी प्रो. ओंकार सिंह ने बताया कि 15 जून से काउंसिलिंग का कार्य शुरू होगा। इसके तहत 65 फीसदी सीटों पर अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाएगा, जबकि पांच फीसदी सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों और 20 फीसदी सीटों पर जेईई के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। इसके अलावा एमबीए में 20 फीसदी सीटें एआईसीटीई द्वारा आयोजित सीमेट की मेरिट से भरी जाएंगी। इनमें 10 फीसदी सीटें डोमिसाइल अभ्यर्थियों की स्टेट मेरिट के आधार पर भरी जाएंगी।

दाखिले की प्रक्रिया हुई आसान

अभ्यर्थियों की सहूलियत के लिए यूपीटीयू ने दाखिले की प्रक्रिया को आसान कर दिया है। यूपी-एसईई-2015 के समन्वयक प्रो. जेपी सैनी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हर संस्थान में कोर्स के हिसाब से मौजूद सभी सीटों का ब्यौरा 31 मई तक यूपीटीयू की वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा। काउंसिलिंग में हर फेज के शुरू होने से पहले उपलब्ध सीटों की पूरी डिटेल (मैट्रिक्स) भी वेबसाइट पर जारी कर दी जाएगी।

यूनिवर्सिटी ने तोड़ा 15 साल का रिकॉर्ड

साल 2000 में स्थापित होने के बाद यूपीटीयू ने इस बार प्रवेश परीक्षा में अपनी परंपरा को तोड़ दिया है। हर साल प्रवेश परिणाम के साथ ही टॉपर छात्रों के संपर्क सूत्र उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था रही है, लेकिन इस बार यूनिवर्सिटी के टॉपर छात्रों का कोई संपर्क सूत्र उपलब्ध नहीं है। ऐसे में काउंसिलिंग के दौरान छात्रों के मोबाइल फोन पर यूनिवर्सिटी किस आधार पर जानकारी उपलब्ध कराएगी, इसका जवाब यूपीटीयू के वीसी देने में असमर्थ रहे।